सांध्य दैनिक

4PM

एक छोटी सी मोमबत्ती का प्रकाश कितनी दूर तक जाता है! इसी तरह इस बुरी दुनिया में एक अच्छा काम चमचमाता है।

-विलियम शेक्सपीयर

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 204 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार, 31 अगस्त, 2024

अवनि लेखरा ने जीता पेरिस पैरालंपिक... 7

शिवाजी की मूर्ति ढहने के बाद... 3

भाजपा का अयोध्या से भावनाओं... 2

शिवाजी नहीं राजनीति के आगे पीएम ने झुकाया सिर!

विपक्ष कर रहा ओछी बात : भाजपा

प्रतिमा गिरने के सियासी नुकसान से घबराई बीजेपी

» मोदी के माफी मांगने के बावजूद विपक्ष हमलावर

» पीएम पुलवामा हमले पर मांगे माफी : राउत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में चुनाव की सुगबुगाहट के बीच प्रधानमंत्री व भाजपा नेता मोदी राजनीति करने की अपनी आदत के मुताबिक फिर सक्रिय हो गये हैं। दरअसल गत दिनों सिंधुदुर्ग में छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा गिर गई थी। उसको लेकर पीएम मोदी ने पालघर में एक कार्यक्रम में माफी मांगी। माफी को लेकर राज्य का सियासी पारा चढ़ गया है। विपक्ष ने इसे राजनीतिक कहा है तो भाजपा ने उसको खारिज कर दिया।

दरअसल महाराष्ट्र में इस साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। आने वाले कुछ दिनों में इसकी घोषणा भी कर दी जाएगी। ऐसे में छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा गिरने को लेकर विपक्ष ने बड़ा मुद्दा बना लिया है। वह लगातार भाजपा और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साध रहा है। शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने कहा कि प्रधानमंत्री को पुलवामा हादसें में मारे गए सैनिकों से माफी मांगनी चाहिए, मणिपुर में हिंसा पर भी क्षमा मांगनी चाहिए। शिवाजी की प्रतिमा गिरने के कई कारण हो सकते हैं। अलग-अलग दलीलें भी दी जा रही हैं। लेकिन कहीं ना कहीं मामला अब इतना बड़ा बन गया है कि भाजपा पूरी तरीके से बैकफुट पर आ गई है।

शिंदे व अजित ने भी मांगी माफी

इससे पहले छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढहने की घटना को लेकर आलोचनाओं से घिरे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि यदि जरूरत पड़ी तो वह इस पराक्रमी शासक के 100 बार पैर छूने और घटना के लिए माफी मांगने में संकोच नहीं करेंगे। अजित पवार ने छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने की घटना के लिए महाराष्ट्र के लोगों से माफी मांगी थी।

शिवाजी के अपमान की भरपाई नहीं होगी : संजय राउत

शिवसेना-यूबीटी नेता संजय राउत ने कहा कि पीएम मोदी ने राजनीतिक माफी मांगी है, माफी मांगने से शिवाजी के अपमान की भरपाई नहीं होगी, पुलवामा हमले के लिए भी पीएम मोदी को माफी मांगनी चाहिए। राउत ने कहा, माफी मांगो छूट जाएंगे,यही है उनका, अगर सच्चे मन से पीएम माफी मांगते हैं तो 5 साल पहले 40 जवानों की हत्या हुई थी। देश दुखी हुआ था तो उस वक्त देश से माफी मांगनी चाहिए थी। आपकी नाकामी से यह घटना हुई,जम्मू-कश्मीर में जिस तरह से घटनाएं हुई हैं, कश्मीरी पंडितों की घर वापसी का वादा पूरा नहीं हुआ है. आपने इतना झूठ बोला है तो आपको हर दिन माफी मांगनी होगी। यह महाराष्ट्र है और यह किसी को माफ नहीं करता। संजय राउत ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी को मुंबई की जनता ने काला झंडा दिखाकर स्वागत किया।

हमें कांग्रेस के सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं : फडणवीस

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा विपक्ष को इसमें राजनीति दिख रहा है। वे राजनीति के अलावा कुछ नहीं सोच सकते हैं। पीएम मोदी ने शिवाजी महाराज के भक्तों से माफी मांग ली। इस पर राजनीति करना विपक्ष की ओछी मानसिकता है। हमें कांग्रेस के सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है।

तय हो जवाबदेही : चव्हाण

वहीं, कांग्रेस की ओर कहा गया कि पीएम मोदी सशर्त माफी मांग रहे हैं जबकि उन्हें जवाबदेही तय करनी होगी। पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा, सीएम नेवी को सवालों के कटघरे में खड़ा कर रहे हैं तो राजनाथ सिंह को जवाबदेही तय करनी चाहिए। पृथ्वीराज चव्हाण ने यह भी आरोप लगाया कि कॉन्ट्रैक्ट देने में भाई-भतीजावाद हुई है. सीएम शिंदे के करीबी को प्रतिमा बनाने का कॉन्ट्रैक्ट दिया गया था।

राज्यपाल गहलोत के खिलाफ सड़क पर उतरी कर्नाटक कांग्रेस

» डिप्टी सीएम डीके ने निकाला राजभवन तक मार्च

» गवर्नर पर लगाया पक्षपातपूर्ण व्यवहार का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। राज्य पार्टी प्रमुख और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के नेतृत्व में कर्नाटक कांग्रेस के नेताओं ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत पर कांग्रेस के खिलाफ पक्षपातपूर्ण व्यवहार का आरोप लगाते हुए उनके विरोध में राजभवन तक मार्च किया। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा कि हम उनसे निष्पक्ष होने की मांग कर रहे हैं।

कुमारस्वामी व जनार्दन पर चुप है गवर्नर : प्रियांक

कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा कि हम पूछ रहे हैं कि यह विवेक केवल सिद्धारमैया के लिए ही क्यों?... हम पूछ रहे हैं कि सीएम सिद्धारमैया के खिलाफ मुकदमा चलाने में इतनी जल्दबाजी क्यों है, न कि पिछले मामलों पर जो साबित हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि सिद्धारमैया के मामले में मुकदमा चलाने के लिए किसने कहा? एक आरटीआई कार्यकर्ता। क्या जांच पूरी हो गई है? क्या इसका किसी अन्य एजेंसी द्वारा समर्थन किया गया है? नहीं, लेकिन कुमारस्वामी के मामले में, जनार्दन रेड्डी के मामले में, जांच एजेंसियों ने मुकदमा चलाने के लिए कहा है।

यह (एचडी कुमारस्वामी के खिलाफ मामला) ऐसा मामला है जिसमें पूरी जांच हो चुकी है। इसलिए अभियोजन की मंजूरी दें और संविधान के मुताबिक कानूनी कार्रवाई करें।

अपने लोग सड़क पर बैठेंगे तो देश तरक्की कैसे करेगा : विनेश फोगाट

» शंभू बॉर्डर पहुंचीं ओलंपिक विजेता पहलवान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शंभू बॉर्डर पर किसान आंदोलन के शनिवार (31 अगस्त, 2024) को 200 दिन पूरे हो गए। विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शनकारी वहां अभी भी लामबंद हैं। इस बीच, पहलवान विनेश फोगाट वहां सुबह पहुंचीं। यहां किसानों ने विनेश फोगाट को सम्मानित किया। पत्रकारों से वह बोलीं कि उन्हें राजनीति की जानकारी तो नहीं है पर हर जगह किसान हैं, उन्होंने पहले भी खेत में काम किया है।

विनेश फोगाट के अनुसार,हर कोई मजबूरी में आंदोलन करता है, जब लंबा आंदोलन चलता है तो लोगों में उम्मीद आ जाती है, अपने लोग सड़क पर बैठेंगे तो देश तरक्की कैसे करेगा? मुझे लगता है कि अपने हक के लिए सड़क पर आना चाहिए।

किसान नेता बोले, पीएम नहीं दे रहे जवाब

अमृतसर जिले के किसान नेता बलदेव सिंह बग्गा ने कहा कि सरकार से संवाद करने के कई प्रयास किए गए, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला है. पीएम मोदी को भी कई बार लेटर लिखा गया, लेकिन वहां से भी कोई जवाब नहीं मिला। सरकार किसानों की आवाज दबा रही है,किसान मजदूर मोर्चा के संयोजक सरवन सिंह पंढेर ने किसानों से 31 अगस्त को शंभू और खनौरी पॉइंट पर बड़ी संख्या में इकट्ठा होने की अपील की है।

कंगना रनौत के खिलाफ कार्रवाई की मांग

किसानों ने बॉलीवुड अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी से कंगना रनौत के खिलाफ सख्त रुख अपनाने का आग्रह किया है, जिनकी पिछली टिप्पणियों ने किसान समुदाय के अंदर गुस्सा पैदा किया है।

भाजपा का अयोध्या से भावनाओं का नहीं, मुनाफे का लगाव : अखिलेश

» बोले- हार के सदमे से उबर नहीं पा रहे हैं मुख्यमंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख व पूर्व यूपी के सीएम अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है। अयोध्या में भाजपा ने सस्ते में अपनों को जमीनें खरीदवाई और जब बेचकर निकलने का समय आया तो सरकार ने सर्किल रेट बढ़ाने का प्रबंध कर दिया।

अयोध्या की भूमि भाजपाई सौदेबाजी और मुनाफाखोरी की शिकार हुई है। अयोध्या की जनता तो पहले ही जान गई थी कि भाजपा का अयोध्या से भावनाओं का नहीं, बल्कि मुनाफे का लगाव है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार में हर तरफ लूट मची है। अयोध्या में जमीनों की खरीद और बिक्री में बड़े पैमाने पर हुई लूटखसोट सबके सामने आ चुकी है। अयोध्या में गरीब और किसान जब सर्किल रेट बढ़ाकर मुआवजे की मांग कर रहे थे, तब सरकार ने सर्किल रेट और मुआवजा नहीं बढ़ाया। जब भाजपा के लोगों और कारोबारियों ने जमीनें सस्ते में खरीद लीं तब उन्हें ज्यादा मुनाफा दिलाने के लिए सरकार ने सर्किल रेट बढ़ा दिया।

लाल रंग इमोशन का रंग है

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लाल टोपी काले कारनामे वाले बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री लाल रंग और उससे जुड़ी भावनाओं को नहीं समझ सकते हैं। लाल रंग क्रांति का है। लाल रंग इमोशन का है और मेल मिलाप का है। लाल रंग खुशी का है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री लोकसभा चुनाव के हार के सदमे से नहीं उबर पा रहे हैं। जनता से भयभीत हैं, इसीलिए उन्हें हर जगह लाल-लाल दिखाई दे रहा है।

सपा के आरोप की मुख्य निर्वाचन अधिकारी जल्द जांच कराएंगे

समाजवादी पार्टी ने आगामी उपचुनाव से पहले जाति और सांप्रदायिक आधार पर विधानसभा क्षेत्र में तैनात बीएओ को हटाने का आरोप लगाया था। इस संबंध में सपा महासचिव रामगोपाल यादव ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार को पत्र लिखकर आपत्ति जताई। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से इस संबंध में स्पष्टीकरण मांगा था। सपा ने आरोप लगाया था कि पहले से नियुक्त बीएलओ में लगभग सभी मुस्लिम और यादव बीएओ को हटा दिया गया है। उनके स्थान पर भाजपा के समर्थक माने जाने वाले जातीय और सांप्रदायिक समूहों के कर्मचारियों को नियुक्त किया गया है। इसके अलावा मुरादाबाद मंडल में तैनात कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह को चुनाव प्रभावित करने के लिए बार-बार सेवा विस्तार दिया जा रहा है। उधर उत्तर प्रदेश मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने कहा है कि विधानसभा उपचुनाव से पहले बीएलओ को हटाने के निर्देश उन्होंने नहीं दिए थे। इस संबंध में चुनाव पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) निर्णय लेते हैं। इस संबंध में मुख्य निर्वाचन आयुक्त का पत्र अभी तक प्राप्त नहीं हुआ है। अगर ऐसा मामला आता है तो जांच कराई जाएगी।

भूखे पेट भजन कराते रहना चाहती हैं सरकारें : मायावती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने केंद्र व राज्य सरकारें पर जमकर हमला बोला है। देश के करोड़ों गरीबों व मेहनतकश लोगों को सही व

सम्मानपूर्वक रोजी-रोटी की व्यवस्था कर पाने में अपनी विफलता पर पर्दा डालने के लिए उनसे भूखे पेट भजन कराते रहना चाहती हैं। विपक्षी दल कांग्रेस का भी वैसा ही जनविरोधी रवैया जनता को कैसे गवारा होगा। कांग्रेस की भारत डोजो यात्रा को मेहनतकश लोगों का उपहास बताया है।

उन्होंने सोशल मीडिया पर जारी अपने बयान में कहा कि पेट भरे लोगों के लिए डोजो व अन्य खेलकूद के महत्व से किसी को इंकार नहीं है। लेकिन गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई व पिछड़ेपन आदि से त्रस्त जीवन जीने को मजबूर करोड़ों परिवारों का क्या होगा, जो दिन-रात पेट पालने के लिए कमरतोड़ मेहनत करते हैं। कांग्रेस व इनके इंडी गठबंधन ने आरक्षण व संविधान बचाने के नाम पर एससी-एसटी व ओबीसी का वोट लेकर अपनी ताकत तो बढ़ा ली लेकिन अपना वक्त निकल जाने पर उनकी भूख व तड़प को भुलाकर उनके प्रति यह क्रूर रवैया अपनाना क्या उचित है। उन्होंने कहा कि खेल का राजनीतिकरण हानिकारक है और यह अब नहीं होना चाहिए।

सामाजिक न्याय अभियान को और तेज करेगी कांग्रेस

» यूपी में तीन नेताओं को मिली नई जिम्मेदारी

» पिछड़ा, मुस्लिम और दलित को करेंगे एकजुट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में लोकसभा चुनाव में सपा के साथ गठबंधन में 6 सीटें पाकर उत्साहित कांग्रेस अब पूरी तरह से आगामी यूपी विधान सभा चुनावों में हर हाल में जीत हासिल करना चाहती है। इसी क्रम में कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में पिछड़ा, मुस्लिम और दलित (पीएमडी) को अपने साथ जोड़े रखने के लिए रणनीति बनाना शुरू कर दिया है। इसकी जिम्मेदारी के लिए नेताओं को काम भी सौंप दिया है।

तीन वरिष्ठ नेताओं को केंद्रीय कमेटी में शामिल करते हुए ये मंशा भी पूरी कर दी है। इसमें शाहनवाज आलम और सुशील पासी को राष्ट्रीय सचिव बनाते हुए बिहार का सह प्रभारी बनाया है। इसी तरह गुर्जर समाज से आने वाले विदित चौधरी को राष्ट्रीय सचिव बनाकर हिमाचल व चंडीगढ़ का सह प्रभारी बनाया

है। कांग्रेस की ओर से उत्तर प्रदेश में लगातार सामाजिक न्याय को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। राहुल गांधी ने प्रयागराज में दो टूक कहा कि जाति जनगणना और आरक्षण में 50 फीसदी की सीमा खत्म करना उनके लिए राजनीति नहीं है। भविष्य में अगर इसकी वजह से राजनीतिक नुकसान भी होता है तो भी इसे करुंगा। इस बयान के सप्ताहभर बाद ही राष्ट्रीय सचिवों की नियुक्ति में उत्तर प्रदेश की भागीदारी बढ़ा दी है। इस भागीदारी के जरिये सियासी समीकरण भी साधे गए हैं। प्रदेश की सियासी नब्ज पर नजर रखने वालों का तर्क है कि पिछड़े-मुसलमानों के साथ ही दलितों में पासी समाज को लेकर कांग्रेस निरंतर मुहिम चला रही है। सुशील पासी के जरिये इस मुहिम को गति दी गई है।

ईडी की कार्रवाई राजनीति से प्रेरित : सैलजा

कांग्रेस नेता बोलीं- भाजपा हर बार चुनाव से पहले एजेंसियों का दुरुपयोग करती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हिसार। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव कुमारी सैलजा ने कहा कि ईडी की कार्रवाई राजनीति से प्रेरित है। भाजपा हर बार चुनाव से पहले एजेंसियों का दुरुपयोग करती है। यह बात उन्होंने अपने आवास पर मीडिया की ओर से पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा के मामले से जुड़ी कंपनियों की करीब 832 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच-कुर्क किए जाने के सवाल के जवाब में कही। पिछले दस साल से इन एजेंसियों का विपक्ष के खिलाफ इस्तेमाल किया जा रहा है।

कुमारी सैलजा ने कहा कि दस साल के कुशासन के बाद भाजपा को जवाब देना भारी पड़ रहा है। लोग जल्द से जल्द इस सरकार से छुटकारा चाहते हैं। साढ़े 9 साल के बाद सीएम को बदल दिया। अब नए सीएम को खुद नहीं पता कि क्या जवाब दें। भाजपा चुनाव से डरी हुई है। अपनी हार को सामने देखकर भाजपा चुनाव आयोग के दरवाजे पर जाकर चुनाव की तारीखों को आगे बढ़ाने की मांग कर

रही है। जमीनी स्तर पर भाजपा की कोई तैयारी नहीं है। लोगों में भाजपा के खिलाफ भारी गुस्सा है। दूसरे सवाल के जवाब में कुमारी सैलजा ने कहा कि मेरा विधानसभा चुनाव लड़ने का मन अब भी है। मैं पहले भी कई बार कह चुकी हूं। अंतिम फैसला हाईकमान को करना होगा, जो हाईकमान कहेगा, वही मान्य होगा। सीएम की दावेदारी के सवाल पर उन्होंने कहा कि सीएम पद के लिए सभी की दावेदारी है। जब माहौल अच्छा हो तो दावेदार भी बढ़ जाते हैं।

832

करोड़ रुपये की संपत्ति पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा से जुड़ी कंपनियों की हो चुकी है अटैच-कुर्क

3 या 4 सितंबर को आ सकती है प्रत्याशियों की पहली सूची

कांग्रेस के प्रत्याशियों के एलान के सवाल पर कुमारी सैलजा ने कहा कि स्क्रीनिंग कमेटी का काम लगातार चल रहा है। स्क्रीनिंग कमेटी अपना काम पूरा करने के बाद प्रस्ताव केंद्रीय चुनाव समिति को भेजेगी। केंद्रीय चुनाव समिति अंतिम एलान करेगी। 3 या 4 सितंबर को पहली लिस्ट आ सकती है। मुझे लगता है कि 5 सितंबर से पहले-पहले सूची जारी हो जाएगी।

संसद में जाने लायक नहीं कंगना रनौत : रॉबर्ट वाड्रा

» रॉबर्ट वाड्रा ने भाजपा सांसद के किसानों के विरोध में की गई टिप्पणी की आलोचना की है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा ने आज भाजपा सांसद कंगना रनौत पर जमकर निशाना साधा है। दरअरल, रॉबर्ट वाड्रा ने कंगना के किसानों के विरोध में की गई टिप्पणी की आलोचना की है।

रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि कंगना रानौत एक महिला हैं

और मैं उनका सम्मान करता हूं, लेकिन मुझे लगता है कि वह संसद में रहने के लायक नहीं हैं। वह पढ़ी-लिखी नहीं हैं। मुझे लगता है कि वह लोगों के बारे में नहीं सोचती हैं। वह केवल अपने बारे में सोचती हैं।

महाराष्ट्र में आई माफी मांगने की नई सियासत

शिवाजी की मूर्ति ढहने के बाद संग्राम

- मराठी अस्मिता पर तनी तलवारें
- विधानसभा चुनाव की आहट में बढ़ी अकुलाहट
- महायुति व महाअगाड़ि में वार-पलटवार
- अजित पवार के बाद पीएम मोदी ने मांगी माफी
- मामले में कार्रवाई पर भी उठे सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आने की आहट सुनाई देने लगी हैं वहा की सियासत में रंग भी दिखने लगे हैं। कभी सत्ता पक्ष व विपक्ष में वार-पलटवार नजर आता है तो कभी अपने ही सहयोगियों के बीच खटपट भी दिखाई देती है। बयानों में औरंगजेब से लेकर नादिर शाह तक का जिक्र होता है तो शिवाजी महाराज मूर्ति के बहाने सरकार के कामकाज पर उंगली उठाई जाती है। शिवाजी की मूर्ति गिरने पर माफी पर भी नई सियासत देखने को मिल रही है। अजित पवार के बाद प्रधानमंत्री ने भी माफी मांगी है। राज्य दोनों गठंबधनों में आजकल विधान सभा चुनाव की तैयारी होने लगी है। महाविकास अगाड़ि जहां महायुति को कुर्सी से उतारने के लिए पूरी मेहनत से लगा है।

भाजपा, शिवसेना , शिवसेना यूबीटी, कांग्रेस, एनसीपी व एनसीपी शरद गुट सभी अपनी-अपनी के दावे कर रह हैं। कुल मिलाकर इसबार के चुनाव में मुद्दों की कमी नहीं होगी। सियासी जानकारों की माने तो मराठी अस्मिता इसबार का चनावी मुद्दा बन सकता है। यही नहीं इसके सब पर हावी होने की भी उम्मीद है। मराठी अस्मिता का अदांजा इसी से लगाया जा सकता है कि जहां उद्धव ठाकरे, शरद पवार इन मुद्दे को धार देते हैं वहीं पीएम मोदी ने भी शिवाजी की प्रतिमा गिरने पर सिर झुकाकर माफी मांगी है। उल्लेखनीय है कि बीते दिनों सिंधुदुर्ग जिले में स्थित राजकोट किले में स्थापित की गई मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढह गई थी। इसे लेकर महाराष्ट्र की राजनीति गरमाई हुई है। विपक्ष सरकार पर हमलावर है और प्रतिमा के निर्माण में भ्रष्टाचार का आरोप लगा रहा है। इसी को लेकर कांग्रेस सांसद ने विरोध प्रदर्शन की योजना बनाई थी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री के मुंबई के दौरे को देखते हुए एहतियातन कई कांग्रेस नेताओं को हिरासत में लिया गया है। महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढहने के मामले में दर्ज एफआईआर में नामजद संरचना सलाहकार चेतन पाटिल को कोल्हापुर से गिरफ्तार कर लिया गया है। हालांकि पाटिल ने कहा वह सलाहकार नहीं थे। उधर इस ममले में राजनीति भी हो रही है। विपक्ष शिंदे सरकार पर लीपापोती करने कर आरोप लगा रहा है। सिंधुदुर्ग पुलिस ने बताया कि पाटिल को गिरफ्तार कर लिया गया है। कोल्हापुर के रहने वाले पाटिल ने बुधवार को दावा किया था कि वह इस परियोजना के लिए संरचना सलाहकार नहीं थे। मामले से जुड़ी प्राथमिकी में पाटिल को कलाकार जयदीप आप्टे के साथ नामजद किया गया। पाटिल ने कहा था कि उन्होंने राज्य के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के माध्यम से भारतीय नौसेना को मंच का डिजाइन सौंपा था, लेकिन उनका प्रतिमा से कोई लेना-देना नहीं था। पाटिल ने कहा ठाणे स्थित एक कंपनी ने प्रतिमा से जुड़ा काम किया। मुझसे सिर्फ उस मंच पर काम करने के लिए कहा गया था, जिस पर प्रतिमा खड़ी की जानी थी।

शिवाजी महाराज हमारे लिए सिर्फ एक नाम नहीं : मोदी

मोदी ने कहा कि जब 2013 में भाजपा ने मुझे प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में निश्चित किया, तो मैंने सबसे पहले रायगढ़ के किले में जाकर छत्रपति शिवाजी महाराज की समाधि के सामने बैठ कर प्रार्थना की और राष्ट्रसेवा की एक नई यात्रा आरंभ की थी। मालवण में छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति ढहने की घटना पर पीएम नरेंद्र मोदी ने माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज हमारे लिए सिर्फ एक नाम नहीं है। आज मैं सिर झुकाकर अपने भगवान छत्रपति शिवाजी महाराज से माफी मांगता हूं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि हमारे संस्कार अलग हैं, हम वो लोग नहीं हैं जो आए दिन भारत मां के महान सपूत, इसी धरती के लाल वीर सावरकर को अनाप-शनाप गालियां देते रहते हैं, अपमानित करते रहते हैं, देशभक्तों की भावनाओं को कुचलते हैं। वे लोग वीर सावरकर को गालियां देने के बाद भी माफी मांगने को तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग छत्रपति शिवाजी महाराज को अपना देवता मानते हैं और इससे उन्हें बहुत ठेस पहुंची है, मैं सिर झुकाकर उनसे माफी मांगता हूं। हमारे मूल्य अलग हैं। हमारे लिए हमारे देवता से बड़ा कुछ नहीं है। मोदी ने आगे कहा कि महाराष्ट्र के पास विकास के लिए सामर्थ्य भी है और जरूरी संसाधन भी है। यहां समुद्र के तट भी है और इन तटों से अंतरराष्ट्रीय व्यापार का सदियों पुराना इतिहास भी है। यहां भविष्य की अपार संभावनाएं भी हैं। इन अवसरों का पूरा लाभ महाराष्ट्र और देश को मिले... इसके लिए आज वाढवण पोर्ट की नींव रखी गई है। यह देश का सबसे बड़ा कंटेनर पोर्ट होगा। ये देश ही नहीं, बल्कि दुनिया के सबसे गहरे पोर्ट में से एक महत्वपूर्ण पोर्ट होगा।

कांग्रेस ने की थी माफी की मांग

मुंबई कांग्रेस ने प्रधानमंत्री की मुंबई यात्रा के दौरान विरोध प्रदर्शन की योजना बनाई थी। पुलिस हिरासत में लिए जाने के बाद सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि हमें छत्रपति शिवाजी महाराज, महाराष्ट्र के गौरव के लिए आवाज उठाने के लिए हिरासत में लिया गया है, लेकिन हम पीछे नहीं हटेंगे। प्रधानमंत्री को हमारे आदर्श के अपमान के लिए माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस ने कहा कि प्रधानमंत्री, जिन्होंने हाल ही में सिंधुदुर्ग जिले के राजकोट किले में ढही छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का अनावरण किया था, ऐसे में प्रधानमंत्री को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

सबसे पहले अजित पवार ने मांगी थी माफी

राजनीतिक दबाव बढ़ने के साथ, महायुति सहयोगियों में से पवार पहले व्यक्ति थे जिन्होंने महाराष्ट्र के पतन के लिए लोगों से माफ़ी मांगी। पवार के नेतृत्व वाली राकांपा को भी इस मुद्दे पर सहयोगियों से दूरी बनाने की कोशिश करते देखा गया और छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के ढहने पर गुरुवार को राज्यव्यापी मौन विरोध प्रदर्शन किया।

देश के पीएम से सवाल तो पूछेंगे ही : गायकवाड़

कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ ने शुक्रवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुंबई यात्रा को चलते उन्होंने विरोध प्रदर्शन करने की योजना बनाई थी, लेकिन पुलिस ने उन्हें और उनकी पार्टी के कई कार्यकर्ताओं को विरोध प्रदर्शन से पहले ही हिरासत में ले लिया। प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को मुंबई में आयोजित हुए ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ) 2024 में शिरकत की। साथ ही प्रधानमंत्री पालघर में 76 हजार करोड़ रुपये की लागत वाली वधवन पोर्ट परियोजना की भी आधारशिला रखेंगे। कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ ने कहा कि पुलिस सुबह 7 बजे से मेरे आवास पर

है। वे मुझे दो कदम भी चलने नहीं दे रहे हैं। अगर (पीएम) माफी मांगने या मौन विरोध प्रदर्शन करने के लिए कहना अपराध है तो मैं क्या कह सकती हूं। अगर देश के प्रधानमंत्री से सवाल नहीं पूछे जा सकते, तो हम अपने सवाल किससे पूछें?

अजित पवार बोले-दोषियों के खिलाफ होगी कार्रवाई

उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने सिंधुदुर्ग जिले के मालवन का दौरा किया और इस सप्ताह की शुरुआत में गिरी 35 फुट ऊंची संरचना को हुए नुकसान का आकलन किया। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रदेश अध्यक्ष और सांसद सुनील तटकरे के साथ, पवार ने क्षेत्र का निरीक्षण किया और मूर्ति के ढहने का कारण निर्धारित करने के लिए अधिकारियों के साथ चर्चा की। पवार ने कहा कि जो कुछ भी हुआ उससे हर कोई दुखी है। छत्रपति शिवाजी महाराज हमारे आराध्य हैं और सभी को उनके इतिहास पर गर्व है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने इस संबंध में बैठकें की हैं। स्मारक बनाने के प्रयास किये जा रहे हैं। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जायेगी। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे कहाँ भागेंगे, वे मिल जायेंगे। प्रतिमा के गिरने, जिसका अनावरण पिछले साल प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था, ने महत्वपूर्ण विवाद को जन्म दिया है, जिससे विरोध प्रदर्शन और लापरवाही और भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

कुपोषण का बढ़ना विश्व के लिए घातक!

एक तरफ तो भारत में अरबपतियों की संख्या बढ़ने की खबरें आ रही हैं तो दूसरी तरफ से एक चौंकाने वाली खबर भी आई है। अंतरराष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान आईएफपीआरआई द्वारा हाल ही में जारी वैश्विक खाद्य नीति रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया की 2.2 अरब आबादी आज भी पोष्टिक आहार से वंचित है। इनमें से भारत के भी लाखों लोग शामिल हैं। हालांकि दुनिया के देशों की सरकारें लोगों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए गंभीर है। पर ऐसे क्या कारण जिसकी वजह से छोटे-छोटे बच्चें भी कुपोषित हो रहे हैं इस पर सरकारों को गहन चिंतन करने की जरूरत है। हालांकि प्रथम दृश्टया इसके प्रमुख कारणों में से सहज उपलब्धता, पहुंच का अभाव, सामर्थ्य यानी कि गरीबी या पर्याप्त आय नहीं होना है। सबसे अधिक वैश्विक स्तर पर हालातों से निपटने के समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है।

इस मायने में और अधिक गंभीर हो जाती है कि लाख प्रयासों के बावजूद दुनिया की बहुत बड़ी आबादी को पोष्टिक आहार नहीं मिल पा रहा है। हालिया रिपोर्ट के अनुसार इसके कारण कुपोषण बढ़ रहा है और लोग बीमारियों का आसान शिकार बन रहे हैं। उधर हमारी आदतों के कारण बहुत बड़ी मात्रा में भोजन की बर्बादी भी हो रही है। हमारी व्यवस्थाओं के चलते बड़ी मात्रा में या तो खाद्यान्न बेहतर रखरखाव के अभाव में खराब हो जाता है या फिर पोस्ट हार्वेस्टिंग गतिविधियों को विस्तारित व काश्तकारों तक तकनीक की पहुंच नहीं होने के कारण खराब हो जाता है। यानी की एक और हमारी आदतों के कारण तो दूसरी और खाद्यान्नों को सहेज के रखने की सही व्यवस्थाओं के अभाव में बेकार हो जाता है और इसका सीधे-सीधे खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। यह कोई पहला अवसर नहीं है जब इस तरह की रिपोर्ट जारी हो रही हो, बल्कि आईएफपीआरआई का यह सालाना कार्यक्र म है और पतिवर्ष इस तरह की रिपोर्ट जारी होती है। इसमें भी कोई दो राय नहीं कि हालात में सुधार हो रहा है पर जिस तरह का सुधार होना चाहिए था वह हो नहीं हो पा रहा है। यह किसी एक देश की समस्या हो ऐसा भी नहीं है, कमोबेस यह हालात दुनिया के अधिकांष देशों में हैं। हां अंतर इतना है कि कम आय वाले देशों में समस्या अधिक गंभीर है। सरकारों को चाहिए कि ऐसी योजनाए बनाए ताकि बच्चों को पौष्टिक आहार मिल सके। क्योंकि बच्चे किसी भी देश का भविष्य हैं अगर वह हष्टपुष्ट नहीं होंगे तो देश का भविष्य बीमार होगा। इससे देश के विकास पर भी असर पड़ेगा। इसलिए करोड़पति व अरबपति बढ़ने के साथ-साथ गरीबों की संख्या की कम हो और लोगों की जीवन भी सुखमय हो।

“ सबसे अधिक वैश्विक स्तर पर हालातों से निपटने के समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है। इस मायने में और अधिक गंभीर हो जाती है कि लाख प्रयासों के बावजूद दुनिया की बहुत बड़ी आबादी को पोष्टिक आहार नहीं मिल पा रहा है। हालिया रिपोर्ट के अनुसार इसके कारण कुपोषण बढ़ रहा है और लोग बीमारियों का आसान शिकार बन रहे हैं। उधर हमारी आदतों के कारण बहुत बड़ी मात्रा में भोजन की बर्बादी भी हो रही है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

नेताओं को बेतुकी बयानबाजी का हक नहीं

विश्वनाथ सचदेव

टीवी पर एक कार्यक्रम आया करता है 'आपकी अदालत'। इस अदालत के 'वकील' से किसी ने पूछा था, 'अभिनेता अच्छे नेता होते हैं या नेता अच्छे अभिनेता', तो 'वकील साहब' को यह कहने में तनिक भी देरी नहीं लगी कि नेता अच्छे अभिनेता होते हैं! और इस उत्तर पर श्रोताओं ने खूब तालियां बजायी थीं- अर्थात श्रोता भी यह जानते-मानते थे कि हमारे नेता अच्छे अभिनेता हैं! नेता-अभिनेता वाला यह प्रसंग आज अचानक तब याद आ गया जब एक नयी-नयी नेता बनी अभिनेत्री को किसान-आंदोलन के संदर्भ में यह कहते सुना कि हमारे देश में भी बांग्लादेश जैसे हालात पैदा करने का षड्यंत्र रचा जा रहा था। उसी सांस में उस नेता-अभिनेता ने यह भी कह दिया कि साल भर से अधिक समय तक चलने वाले उस आंदोलन में 'लाशें लटकी हुई थीं और बलात्कार हो रहे थे।' यह सही है कि उस आंदोलन के दौरान अनेक किसानों की मृत्यु हुई थी, पर उसे 'लाशें लटकना' कहना क्या माने रखता है, यह बात शायद उस अभिनेता को समझ नहीं आयी थी, और फिर किसान आंदोलन के दौरान दुराचार की बात करने से कितना राजनीतिक नुकसान हो सकता है, यह भी उस अभिनेत्री की समझ से परे की बात थी।

यह नेता-अभिनेता भाजपा की सांसद हैं, और भाजपा का शीर्ष नेतृत्व इस नुकसान को समझ रहा था। उसने तत्काल इस नए नेता को चुप रहने का आदेश दिया। स्पष्ट कह दिया गया कि यह नयी बनी नेता अपने मन की बात कह रही थी, और पार्टी की ओर से नीति-विषयक बयान देने का उसे कोई अधिकार नहीं है। निकट भविष्य में ही हरियाणा में होने वाले चुनाव को देखते हुए भाजपा की यह सफाई जरूरी थी। इस स्पष्टीकरण से नुकसान की कितनी भरपाई हुई है यह तो आने वाला कल ही बतायेगा, पर यह सारा प्रसंग इस बात का एक और उदाहरण है कि हमारा राजनीतिक नेतृत्व सुर्खियां बटोरने और राजनीतिक लाभ उठाने के लिए, कभी भी, कुछ भी कह सकता है! ऐसे अवसर पर बड़ी आसानी से राजनीतिक नेतृत्व यह कहकर अपना पल्ला झाड़ लेता है कि यह कथित नेता का निजी बयान है। सवाल उठता है, इस तरह की निजी राय रखने वाले व्यक्ति को राजनीतिक पार्टियां तरजीह ही क्यों देती हैं? किसी भी राजनीतिक दल का सदस्य होने का सबसे महत्वपूर्ण मतलब यह होता है कि व्यक्ति पार्टी की रीति-नीति में विश्वास

रखता है। उसका आचरण इसी विश्वास के अनुरूप होना चाहिए। लेकिन, दुर्भाग्य से, हमारे देश में नीतियों के आधार पर राजनीतिक दलों का बनना और चलना अब कतई आवश्यक नहीं रहा! रीतियों-नीतियों को लेकर दावे जरूर किए जाते हैं, पर व्यवहार में ऐसा कुछ दिखाई नहीं देता। यदि ऐसा न होता तो नेताओं का आये दिन दल बदलना हमारी राजनीति का हिस्सा नहीं बनता। न किसी व्यक्ति को दल बदलते हुए कोई शर्म आती और न ही किसी दल को किसी ऐसे व्यक्ति को अपने साथ जोड़ने में कोई संकोच होता है जिसे वह कल तक भ्रष्ट, अपराधी और न जाने क्या-क्या कहकर दुत्कारा करता था। मतदाता किसी उम्मीदवार को वोट देते समय जिन दो बातों का मुख्य रूप से ख्याल रखता है, उनमें पहली व्यक्ति की वैयक्तिक ईमानदारी है और दूसरी उसके दल की रीति-नीति। दुर्भाग्य से, अब हमारी राजनीति में इन दोनों बातों का कोई महत्व नहीं रह गया है— महत्व सिर्फ राजनीतिक स्वार्थ साधने का है। सामान्य व्यवहार में भी सामान्य जन इस बात का ध्यान रखता है कि 'चार लोग क्या कहेंगे?' पर हमारे राजनेताओं को कुछ भी कहने-करने में संकोच नहीं होता। किसी ने भाजपा की उस नेत्री से यह नहीं पूछा कि उसने हत्याओं और बलात्कारों वाली बात किस आधार पर कही थी? और अब भी उसने अपनी उस आपराधिक गलतबयानी पर क्षमा क्यों नहीं मांगी? वस्तुत: जुमलेबाजी हमारी राजनीति का एक जरूरी हिस्सा बन गयी है। राजनेता और राजनीतिक दल इस जुमलेबाजी को अपना अचूक हथियार मानकर चलते हैं। राजनीतिक स्वार्थ का साधना ही एकमात्र कसौटी है जिस पर वे अपने कहे-किये को नापते हैं! कौन भूल सकता है कि सत्तारूढ़ पार्टी के सर्वोच्च नेताओं में से एक ने बड़ी आसानी से प्रधानमंत्री की 15 लाख रुपये वाली बात को चुनावी जुमला कहकर पीछा छुड़ा लिया था।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के हत्यारे को महान घोषित करने वाले को कभी मन से न माफ कर पाने की बात भी हमारे प्रधानमंत्री ने ही कही थी— फिर उसी व्यक्ति को पार्टी का उम्मीदवार घोषित कर दिया गया! क्या यह नहीं पूछा जाना चाहिए कि क्या उस नेता को मन से माफ कर दिया गया है? कुछ भी कह कर भूल जाने का यह अधिकार राजनेताओं को किसने दिया है? और सवाल यह भी है कि क्या मतदाता को अपने नेता द्वारा कही गयी बात को याद नहीं रखना चाहिए? नेताओं की ईमानदारी और मतदाता की सतत जागरूकता, दोनों, जनतंत्र की सार्थकता की शर्ते हैं।

पश्चिमी देशों की चमक दमक का स्याह सच

भारत डोगरा

अरबन इंस्टीट्यूट के अनुसार, 40 प्रतिशत लोगों के लिए किसी न किसी जरूरत के खर्च को जुटाने में कठिनाई है। किराए पर रहने वाले अधिकांश परिवारों के लिए भी कठिनाई है। लगभग साढ़े छह लाख बेघर लोग हैं। एक वर्ष में 37 लाख लोगों को किराए के घर से जबरन हटाया जाता है। अमेरिका में 50 प्रतिशत विवाहों का अंत तलाक से होता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार (यूथ रिस्क बिहेवियर सर्वे) के अनुसार हाई स्कूल के 42 प्रतिशत छात्र प्राय: दुखी और निराश स्थिति में पाए गए, जबकि एक वर्ष में इनमें से 10 प्रतिशत ने आत्महत्या का प्रयास किया।

आज सबसे धनी, विशेषकर पश्चिमी देशों के प्रति युवाओं में जबरदस्त आकर्षण है। अनेक युवाओं को लगता है कि किसी भी तरह यदि वहां पहुंच जाएं तो जिंदगी संवर जाएगी। यहां तक कि कभी-कभी वे और उनके परिवार इसके लिए जमीन-जायदाद तक बेचने को तैयार हो जाते हैं। इतना ही नहीं, अवैध रास्तों से और गैर-कानूनी तौर-तरीकों के साथ तरह-तरह के जोखिम उठाते हैं। उनकी इस आकांक्षा को निरंतर हवा देने के लिए एजेंटों और दलालों की एक पूरी फौज खड़ी कर दी गई है, जो करोड़ों कमा रही है। इस स्थिति में यह आवश्यक हो जाता है कि अति धनी, विशेषकर पश्चिमी देशों के विषय में संतुलित जानकारी प्राप्त की जाए। इसमें कोई संदेह नहीं कि संयुक्त राज्य अमेरिका (संक्षेप में अमेरिका), कनाडा, जर्मनी, ब्रिटेन जैसे देशों की प्रति व्यक्ति आय बहुत अधिक है और वहां शहरों की चकाचौंध भी बहुत अधिक है। पर इस चकाचौंध का एक दूसरा पक्ष भी है, जिसे जानना चाहिए।

सबसे धनी देश अमेरिका की ही बात करें तो वहां के नीचे के 50 प्रतिशत लोगों के पास देश की कुल संपत्ति का 2 प्रतिशत से भी कम हिस्सा है। राष्ट्रीय बजट का बड़ा हिस्सा सैन्य खर्च पर जाता है। एक वर्ष में 880 अरब डॉलर सैन्य खर्च का सरकारी आंकड़ा है, जबकि इससे कई सैन्य खर्च छूट जाते हैं। अरबन इंस्टीट्यूट के अनुसार, 40 प्रतिशत लोगों के लिए किसी न किसी जरूरत के खर्च को जुटाने में कठिनाई है। किराए पर रहने वाले अधिकांश परिवारों के लिए भी कठिनाई है। लगभग साढ़े छह लाख बेघर लोग हैं। एक वर्ष में 37 लाख लोगों को किराए के घर से जबरन हटाया जाता है। अमेरिका में 50 प्रतिशत विवाहों का अंत तलाक से होता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार (यूथ रिस्क बिहेवियर सर्वे) के अनुसार हाई स्कूल के 42 प्रतिशत छात्र प्राय: दुखी और निराश स्थिति में पाए गए, जबकि एक वर्ष में इनमें से 10 प्रतिशत ने आत्महत्या का प्रयास किया। यदि केवल छात्राओं के आंकड़े देखें तो 57 प्रतिशत दुखी और निराश पाई गईं, जबकि 13 प्रतिशत ने एक वर्ष में आत्महत्या का प्रयास किया। 18 प्रतिशत छात्राओं ने यह भी कहा कि उनसे यौन हिंसा या जबरदस्ती का कोई न कोई प्रयास एक वर्ष में किया गया।

मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े डॉक्टरों के संगठन बच्चों और किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य के संदर्भ में आपात स्थिति घोषित करने के बारे में कह चुके हैं। यूथ रिस्क बिहेवियर सर्वे के जो चौंकाने वाले आंकड़े ऊपर दिए गए हैं, वे हर कुछ वर्ष बाद के सर्वेक्षण के बाद एकत्र किए जाते हैं और पिछले लगभग एक दशक से बढ़ते ही जा रहे हैं, जबकि हर सर्वेक्षण के वक्त स्थिति सुधारने के प्रयास करने के बारे में कहा जाता है।

चाहे घरेलू हिंसा को देखें या यौन अपराधों को या अन्य तरह की हिंसा को, संयुक्त राज्य अमेरिका के आंकड़े डराने वाले हैं। यदि जनसंख्या में कैदियों के प्रतिशत को देखें तो विश्व के प्रमुख देशों में यहां का प्रतिशत सबसे अधिक है। सामाजिक स्तर पर भेदभाव को देखें तो अश्वेतों और प्रवासियों को कई तरह का अन्याय सहना पड़ता है। कम मजदूरी के कठिन श्रम में इनका प्रतिशत अधिक है। श्रम-शक्ति के सबसे निचले हिस्से में शोषण अधिक है और दिन-भर की मेहनत के बाद भी गुजर-बसर कठिन होती है। बारबारा एहरनरिच नामक विख्यात महिला पत्रकार ने इस स्थिति को राष्ट्रीय स्तर पर दर्शाने के लिए स्वयं कम मजदूरी वाले तीन रोजगार कुछ सप्ताहों के लिए किए और अपने अनुभवों के आधार पर 'निकेल एंड डाइम्ड' नामक पुस्तक लिखी जिससे पता चलता है कि निचले स्तर जैसे सफाईकर्मी या वेटर के स्तर पर किसी महिला मजदूर को कितनी कठिन जिंदगी गुजारनी पड़ती है। अत: बेहतर होगा कि किसी बाहरी चकाचौंध के चक्कर में रहने के स्थान पर हमारे युवा धनी पश्चिमी देशों के बारे में संतुलित दृष्टिकोण प्राप्त करें।

कहीं ऐसा न हो कि वहां जाकर नीचे की श्रेणी में उन्हें अन्याय सहना पड़े। यदि उनके सपने वहां भी पूरे न हों, तो फिर जमीन-जायदाद बेचकर या विभिन्न अन्य कठिनाइयां सहकर वहां जाने से क्या लाभ? इससे कहीं अच्छा होगा कि बहुत चमक-दमक या विलासिता के जीवन के मोह को छोड़ ही दिया जाए और अपनी मेहनत से अपनी रुचि और क्षमता के अनुकूल उचित आजीविका अपने देश में ही अपनाई जाए। इसका अर्थ यह नहीं है कि विदेश में जाने में कोई बुराई है, वहां अवश्य जाएं पर यदि बेहतरी की कोई निश्चित राह आपको नजर आए और इसके लिए जमीन-जायदाद बेचने जैसी गलती न करनी पड़े। ऊंची आय की या सरकारी नौकरी की प्रतीक्षा में ही बहुत सी उम्र गुजार देना भी उचित नहीं है। हमें यह भी सोचना चाहिए कि कई तरह के ऐसे सार्थक कार्य हो सकते हैं जो टिकाऊ हैं, हमारी रुचि और क्षमता के अनुकूल हैं और बेहतर समाज और देश बनाने में भी सहायक हैं। इस तरह के कार्यों में स्व-रोजगार को आगे बढ़ाना भी समाज और देश के लिए बहुत जरूरी है।

दमकती त्वचा के लिए करें ये उपाय

कौन नहीं चाहता है कि वे दूसरे व्यक्ति से सुंदर दिखे और उसकी स्किन साफ और ग्लोइंग दिखें। लेकिन ऐसा होता नहीं है क्योंकि हर किसी व्यक्ति की स्किन अलग होती है और साथ ही अलग-अलग तरह के प्रोडक्ट इस्तेमाल करने से स्किन और खराब होती चली जाती है। यही कारण है कि बहुत लोग कम उम्र में ही स्किन समस्याओं का अनुभव करते हैं। अगर आप भी स्किन समस्याओं के कारण अपने चेहरे की खोती रंगत से परेशान हैं तो इन हर्बल चीजों का उपयोग करके आप ग्लोइंग स्किन पा सकते हैं। इसके लिए आपक कुछ घरेलू चीजों का इस्तेमाल कर सकती हैं। जैसे कुछ घरेलू स्क्रब हैं जिनके इस्तेमाल से आपका चेहरा खिल उठेगा। इन स्क्रब को इस्तेमाल करने से पहले एक बार पैच टेस्ट अवश्य करें, ताकि अगर आपको किसी चीज से एलर्जी है तो इस बारे में जानकारी मिल पाए।

नमक और शहद का स्क्रब

ये सुनकर अजीब लगेगा लेकिन आप 2 बड़े चम्मच नमक और 1 बड़ा चम्मच शहद को मिक्स करके भी अपने चेहरे को चमका सकते हैं। इस पेस्ट को तैयार करने के बाद इसे चेहरे पर लगाएं और फिर मसाज के बाद गुनगुने पानी से धो लें। शहद और नमक का स्क्रब त्वचा को एक्सफोलिएट, मॉइस्चराइज़ और फिर से जीवंत कर सकता है, जिससे त्वचा में स्वस्थ चमक आती है। शहद के जीवाणुरोधी और उपचार गुण, नमक के एक्सफोलिएटिंग गुणों के साथ मिलकर एक बेहतरीन प्राकृतिक स्किनकेयर विकल्प प्रदान करते हैं। यह गतिशील जोड़ी मुख्य रूप से अपने हाइड्रेटिंग और एक्सफ़ोलीएटिंग गुणों के कारण एक युवा, स्वस्थ चमक बनाए रखने में सहायता कर सकती है। आइए इसे बेहतर ढंग से समझने के लिए इसे तोड़ते हैं कि यह सरल मिश्रण आपकी त्वचा के लिए कैसे चमत्कार कर सकता है।

बेसन और हल्दी का स्क्रब

ये दोनों ही चीज आपको अपनी रसोई में मिल जाएंगी। इनके इस्तेमाल के लिए 2 बड़े चम्मच बेसन, 1/2 छोटा चम्मच हल्दी और 1 बड़ा चम्मच दूध या दही मिक्स करें। इसके बाद इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं और फिर स्क्रब करें। हल्दी मुंहासों से लड़ने वाले चमत्कारी मसालों में से एक है। हल्दी के एंटीसेप्टिक और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण बैक्टीरिया को और फैलने से रोकने में मदद करते हैं। यह दाग-धब्बों की लालिमा और सूजन को कम करता है।

कॉफी और नारियल तेल का स्क्रब

इस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में 2 बड़े चम्मच कॉफी पाउडर लें। इसके बाद इसमें 1 बड़ा चम्मच नारियल तेल मिक्स करें। अब इसे कॉफी पाउडर और नारियल तेल को मिलाकर पेस्ट बनाएं। इससे त्वचा पर मसाज करें और फिर धो लें। कॉफी फेस और बॉडी स्क्रब मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाकर त्वचा को एक्सफोलिएट और पॉलिश करता है और बंद रोमछिद्रों को साफ करता है, जिससे आपकी त्वचा पहले प्रयोग के बाद ही चिकनी और साफ हो जाती है। यह त्वचा पर मुंहासे के निशान, काले धब्बे और हाइपरपिग्मेंटेशन को दूर करने में मदद करता है।

चीनी और नींबू का स्क्रब

नींबू और चीनी दोनों ही त्वचा को चमकदार बनाने के लिए बहुत अच्छे हैं। यदि आपको अपने चेहरे पर प्राकृतिक चमक पानी है तो इन दोनों को मिलाकर एक बेहतरीन स्क्रब बना सकते हैं। इसके लिए आप घर पर ही 2 बड़े चम्मच चीनी और 1 बड़ा चम्मच नींबू का रस से स्क्रब तैयार कर सकते हैं। स्क्रब तैयार करने के बाद इसे आप अपने चेहरे पर हल्के हाथों से मलें और कुछ देर छोड़ देने के बाद फिर गुनगुने पानी से धो लें। इससे आपका चेहरा खिल उठेगा। चीनी आधारित एंटीमेलानोजेनिक एजेंट उन कारकों में हस्तक्षेप कर सकते हैं जो त्वचा को हल्का कर सकते हैं या इसे काला होने से रोक सकते हैं। इसी तरह विटामिन सी की भरपूर मात्रा से युक्त, नींबू का रस त्वचा का रंग हल्का करने में मदद करता है। जिससे त्वचा का काफी खिल उठती है।

चीनी और जैतून तेल का स्क्रब

चीनी और जैतून के तेल का स्क्रब आपके चेहरे को चमकाने का काम करता है। इसके लिए सबसे पहले जैतून के तेल में चीनी मिक्स करें। अब इसे चेहरे पर लगाकर हल्के हाथ से मसाज करें। कुछ देर मसाज करने के बाद चेहरे को फिर धो लें।

हंसना मना है

दादी को गीता पढ़ते देख पोते ने अपनी मां से पूछा, मां दादी कौन सी परीक्षा की तैयारी कर रही हैं? मां - बेटा ये फाइनल ईयर की तैयारी कर रही हैं?

एक बार एक Collector, एक SP, एक मंत्री और एक शिक्षाकर्मी बैठे बातें कर रहे थे। Collector- हम तो इलाके के मालिक होते हैं। जिससे जो मर्जी करवा लें। SP- हम जिसे चाहें अंदर करके ठोक दें। हमारा भी बड़ा रौब होता है। Minister- हमारा तो जलवा है बॉस। हम चाहे कुछ भी करें, कोई माई का लाल कुछ नहीं बोल सकता। शिक्षाकर्मी- हमारा तो जी कोई रौब नहीं होता। सारा दिन बच्चों को मुर्गा बना के कूटते हैं। आगे उनकी की मर्जी, Collector बनें, SP बनें, या नेता।

दो चूहे पेड़ पर बैठे थे, नीचे से एक हाथी गुजरा। एक चूहा हाथी पर गिर गया। तभी दूसरा चूहा बोला, दबा कर रख साले को, मैं भी आता हूं।

सात साधु सात चटाई पर बैठे थे, आश्रम में, एक आदमी आया और सबसे बड़े साधु से पूछा- बाबा, बीवी कंट्रोल नहीं होती क्या करूं? साधु (छोटे साधु से) -एक चटाई और लगा भाई के लिए?

कहानी | पिता और पुत्र

एक बार पिता और पुत्र जलमार्ग से यात्रा कर रहे थे, और दोनों रास्ता भटक गये। फिर उनकी नौका भी उन्हें ऐसी जगह ले गई, जहां दो टापू आस-पास थे और फिर वहां पहुंच कर उनकी नौका टूट गई। पिता ने पुत्र से कहा, अब लगता है हम दोनों का अंतिम समय आ गया है। दूर-दूर तक कोई सहारा नहीं दिख रहा है। अचानक उन्हें एक उपाय सूझा, अपने पुत्र से कहा कि वैसे भी हमारा अंतिम समय नजदीक है तो क्यों न हम ईश्वर की प्रार्थना करें। उन्होंने दोनों टापू आपस में बांट लिए। एक पर पिता और एक पर पुत्र, और दोनों अलग-अलग ईश्वर की प्रार्थना करने लगे। पुत्र ने ईश्वर से कहा- हे भगवन, इस टापू पर पेड़-पौधे उग जाएं जिसके फल-फूल से हम अपनी भूख मिटा सकें। प्रार्थना सुनी गयी, तत्काल पेड़-पौधे उग गये और उसमें फल-फूल भी आ गये। उसने कहा ये तो चमत्कार हो गया। फिर उसने प्रार्थना की, एक सुंदर स्त्री आ जाए जिससे हम यहां उसके साथ रहकर अपना परिवार बसाएं। तत्काल एक सुंदर स्त्री प्रकट हो गयी। अब उसने सोचा कि मेरी हर प्रार्थना सुनी जा रही है, तो क्यों न हम ईश्वर से यहां से बाहर निकलने का रास्ता मांगे? उसने ऐसा ही किया। उसने प्रार्थना की, एक नई नाव आजाए जिसमें सवार होकर हम यहां से बाहर निकल सकें। तत्काल नाव प्रकट हुई, और पुत्र उसमें सवार होकर बाहर निकलने लगा। तभी एक आकाशवाणी हुई, बेटा तुम अकेले जा रहे हो? अपने पिता को साथ नहीं लोगे? तो पुत्र ने कहा, उनको छोड़ो, प्रार्थना तो उनने भी की, लेकिन आपने उनकी एक भी नहीं सुनी। शायद उनका मन पवित्र नहीं है, तो उन्हें इसका फल भोगने दो ना? आकाशवाणी कहती है- बेटा, क्या तुम्हें पता है, कि तुम्हारे पिता ने क्या प्रार्थना की? पुत्र बोला- नहीं। तो सुनो- तुम्हारे पिता ने एक ही प्रार्थना की, हे भगवन! मेरा बेटा आपसे जो मांगे, उसे दे देना।

7 अंतर खोजें

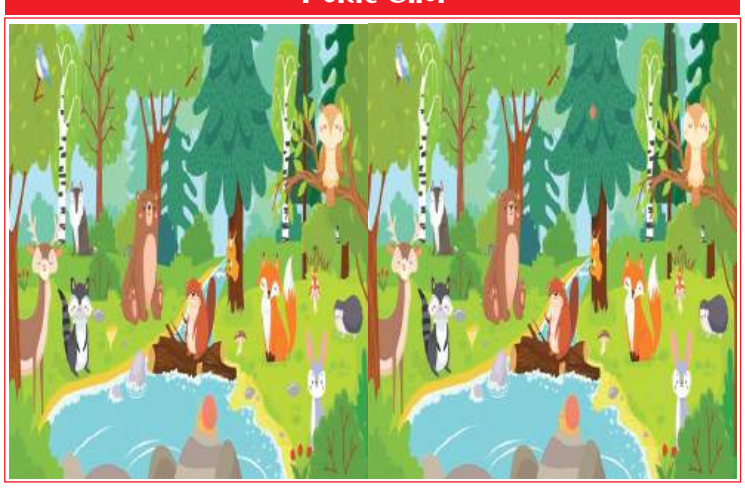

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

वृषभ

व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा। दूसरे आपसे अधिक की अपेक्षा करेंगे। पुराना रोग उभर सकता है।

मिथुन

प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा।

कर्क

दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। घर में अतिथियों का आगमन होगा। प्रसन्नता तथा उत्साह बने रहेंगे।

सिंह

अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नौकरी में अधिकार वृद्धि हो सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

कन्या

आज व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। अचानक अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। पारिवारिक विवाद से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है।

तुला

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

वृश्चिक

नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। मान-सम्मान मिलेगा। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा।

धनु

धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल लाभ देंगे। किसी बड़े काम की रुकावट दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मकर

कीमती वस्तुएं इधर-उधर हो सकती हैं, संभालकर रखें। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। यात्रा में जल्दबाजी न करें।

कुम्भ

व्यापार व व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी।

मीन

स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार में वृद्धि होगी। आय के नए साधन प्राप्त हो सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। नौकरी में रुतबा बढ़ेगा।

महिला केंद्रित फिल्में फ्लॉप होने पर होता है दुख : प्रियंका

प्रियंका चोपड़ा भले ही हॉलीवुड में एंट्री कर चुकी हैं. लेकिन आज भी बॉलीवुड में किए अपने काम को याद करती हैं। एक्ट्रेस के लिए बॉलीवुड में प्रवेश करना पहली बार में चुनौतीपूर्ण था। हाल ही में प्रियंका ने अपना अहसास जाहिर किया है कि जब महिला केंद्रित फिल्में फ्लॉप होती हैं, तो वह कैसा महसूस करती हैं।

प्रियंका चोपड़ा आखिरी बार हॉलीवुड फिल्म लव अगेन में नजर आई थीं। इस फिल्म में वह सैम ह्यूगन के साथ रोमांस करती दिखीं थीं। इन दिनों वह मामी मुंबई फिल्म फेस्टिवल के लिए भारत में आई हुई हैं। एक्ट्रेस इस साल के फेस्टिवल की चेयरपर्सन हैं। प्रियंका ने भूमि के साथ मिलकर महोत्सव में एक मास्टरक्लास ऑर्गेनाइज की। इस दौरान उन्होंने बताया कि वह एक महिला प्रधान फिल्म के फ्लॉप होने पर कैसा महसूस करती हैं।

इस दौरान जब भूमि पेडनेकर ने पूछा कि जब कोई महिला प्रधान फिल्म फ्लॉप होती हैं, तो वह कैसा फील करती हैं। इस सवाल के जवाब में प्रियंका ने कहा, 'जब आप एक महिला प्रधान फिल्म में काम करते हैं और आप इसकी सफलता की उम्मीद कर रहे होते हैं तो ऐसे में आपके ऊपर बहुत प्रेशर हो जाता है। वैसे बहुत कम ही होता है कि कोई महिला प्रधान फिल्म लोगों का दिल जीतने में कामयाब न हो। लेकिन ऐसा हो भी जाता है तो मुझे ऐसा लगता है कि हम सभी महिलाएं कुछ कदम पीछे चली गई हैं, या कहीं ना कहीं मैंने उन्हें पीछे कर दिया है। अपनी बात आगे रखते हुए एक्ट्रेस ने बताया चाहे फिल्म चले ना चले, लेकिन हमें यह काम करना ही होगा, क्योंकि हममें से कुछ लोग ही हैं, जिन्हें ऐसा करने का मौका मिलता है, नहीं सफल हो रहा है तो उसे और अच्छे से करने की कोशिश की जाए। अब आपको यह मानना है कि हमें ऐसा काम करना है कि हमें नारी जाति को निराश नहीं होने दूंगी क्योंकि हमारे पास बहुत कम मौके हैं।' बता दें कि इस इवेंट में प्रियंका चोपड़ा के लुक की बात करें तो वह काले बॉर्डर वाली खूबसूरत सफेद फूलों वाली साड़ी में बला की खूबसूरत लग रही थी।

रहना है तेरे दिल में की फ्लॉप के सालों बाद छलका दीया मिर्जा का दर्द

रहना है तेरे दिल में क्लासिक कल्ट मूवीज में गिनी जाती है। 2001 में जब फिल्म थिएटर्स में रिलीज हुई तब यह बॉक्स ऑफिस पर नहीं चल पाई थी। मगर टीवी पर प्रीमियर होने के बाद इसे काफी पसंद किया था। तब से लेकर आज तक यह फिल्म लोगों की पसंदीदा बनी हुई है। रहना है तेरे दिल में मूवी से दीया मिर्जा ने बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म ने उन्हें नेशनल क्रश बना दिया था, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की असफलता ने उनके करियर पर बहुत असर डाला। उनके हाथ से कई प्रोजेक्ट्स भी छिन गए।

हाल ही में, दीया मिर्जा ने एक हालिया इंटरव्यू में इस बारे में बात की है। उनका कहना है कि वह फिल्म की रिलीज के बाद बहुत दुखी थीं। एक्ट्रेस ने कहा, हम सब बहुत दुखी थे। मुझे याद है कि मुझे कई प्रोजेक्ट्स से निकाल दिया गया था। फिल्म को दर्शकों द्वारा दिए जा रहे असाधारण प्यार के कारण ही कल्ट का दर्जा मिला है। इससे मुझे यह समझने में मदद मिली कि एक ऐसी फिल्म के लिए बॉक्स ऑफिस कितना मायने रखता है जो वाकई लोगों से जुड़ती है। यह एक ऐसा तोहफा है जो देता रहता है। सोशल मीडिया पर फैंस अक्सर रहना है तेरे दिल में के सीक्वल की डिमांड करते रहते हैं। दीया मिर्जा ने सीक्वल को लेकर कहा, सीक्वल का मतलब होगा मैडी और रीना की कहानी का विस्तार।

बॉलीवुड | मन की बात

महिलाओं का शोषण करने वालों को थप्पड़ मारना चाहिए : विशाल

जस्टिस हेमा कमेटी रिपोर्ट सामने आने के बाद से साउथ सिनेमा में हलचल मची हुई है। सरकार द्वारा बनाई गई इस कमेटी ने मलयालम सिनेमा में महिलाओं के साथ हुए यौन, शारीरिक और मानसिक शोषण की रिपोर्ट जारी की है। इसके बाद से कई एक्ट्रेसेज और अन्य महिलाओं ने अपनी आपबीती को खुलकर सुनाया। मलयालम सिनेमा से जुड़े कई बड़े एक्टर्स और डायरेक्टर पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इस बीच तमिल एक्टर विशाल ने महिलाओं की सुरक्षा को लेकर बात की। एक्टर और प्रोड्यूसर विशाल ने कहा कि महिलाओं को अपने साथ शोषण करने वाले शख्स को थप्पड़ मारना चाहिए और अगर उनके साथ कुछ भी गलत होता है तो तुरंत उसकी शिकायत करनी चाहिए। उन्होंने ये भी कहा कि तमिलनाडु की एक्टर्स एसोसिएशन नादिगर संगम जल्द महिला आर्टिस्ट की मदद के लिए एक प्लेटफॉर्म खड़ा करेगी, जिसपर वो शिकायतें रजिस्टर कर पाएंगी। विशाल ने कहा, ये सिर्फ फिल्म इंडस्ट्री में नहीं, बल्कि सभी इंडस्ट्री में हो रहा है। महिलाओं का शोषण इन दिनों नॉर्मल चीज बन गई है। महिलाओं और लड़कियां कई मुश्किल परिस्थितियों से गुजरती हैं। कई इस बारे में बात नहीं करती हैं। हेमा कमेटी रिपोर्ट और इन शिकायतों पर जरूरी एक्शन लिया जाना चाहिए। इन शिकायतों की सत्यता की भी जांच होनी चाहिए। पब्लिसिटी के लिए कई लोग फेक आरोप भी लगाते हैं। महिलाओं को शोषण का सामना करते हुए कैसे रिएक्ट करना चाहिए इसे लेकर विशाल ने हिदायत भी दी। उन्होंने कहा, अगर कोई आपको हाथ भी लगाए तो उसे चप्पल से मारो। वो रुक जाएंगे। वो किसी भी औरत को दोबारा हाथ लगाने के बारे में नहीं सोचेंगे। अपनी शिकायत दर्ज करने के लिए सालों का वक्त मत लगाओ। इसमें चिंता की क्या बात है? आप किस चीज से डर रहे हो? जैसे ही आप शिकायत दर्ज करवाओगे पुलिस सही एक्शन लेगी।

पंजाब के मुक्तसर शहर में है ऐसी कब्र जिस पर जूते-चप्पल मारने आते हैं लोग

हमारे देश में कई ऐसी अजब-गजब चीजें हैं जिनके बारें में लोगों को पूरी तरह जानकारी नहीं होती। इन चीजों के वीडियोज जब सोशल मीडिया पर वायरल होते हैं, तब लोगों को पता चलता है। ऐसा ही एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें कई लोग एक कब्र पर जूते-चप्पल मार रहे हैं। कोई भी फूलों से उसका सम्मान नहीं कर रहा है। आखिर इस कब्र का क्या इतिहास है और लोग ऐसा क्यों करते हैं? चलिए आपको बताते हैं।

इंस्टाग्राम अकाउंट @amritsarislive पर हाल ही में एक वीडियो पोस्ट किया गया है, जिसमें कुछ सिख धर्म के लोग किसी ग्रामीण इलाके में बनी कब्र के पास मौजूद हैं। सारे लोग मिलकर उस कब्र पर जूते-चप्पलों से वार कर रहे हैं। बच्चों से लेकर बूढ़े तक वहां खड़े होकर कब्र को पीट रहे हैं। एक भी व्यक्ति उसके ऊपर फूल नहीं चढ़ा रहा है। आप सोच रहे होंगे कि मरने वाले का ऐसा अपमान क्यों किया जा रहा है?

'discoversikhism' वेबसाइट के अनुसार पंजाब के मुक्तसर शहर में एक गुरुद्वारा है, जिसका नाम है श्री दंतसर साहिब। श्री गुरू गोबिंद सिंह जी एक बार यहां पर दातून कर रहे थे। तभी अचानक एक मुगल हमलावर ने उनके ऊपर हमला किया। पर गुरू गोबिंद सिंह जी ने खुद को हमले से बचाया और उस हमलावर को मार गिराया। उसी जगह के पास उस हत्यारे की कब्र को बनाया गया। अब जब लोग वहां जाते हैं तो उस कब्र को जूते-चप्पलों से मारते हैं। लोग इस कब्र पर 5 बार हमला करते हैं और अपना गुस्सा जाहिर करते हैं। उस हत्यारे का नाम नूरदीन है, इस वजह से इस कब्र को नूरदीन की कब्र कहा जाता है। इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए वीडियो को 3 करोड़ से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं जबकि कई लोगों ने कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक शख्स ने विस्तार में इस घटना के बारे में कमेंट सेक्शन में बताया

अजब-गजब | इसे कहा जाता है करोड़पति बनाने वाली नदी

यह नदी बरसात में पानी के साथ बहा कर लाती है हीरे, अब तक कई लोग हो चुके मालामाल

सागर। अगर आप किस्मत के धनी हैं और करोड़पति बनने की चाह रखते हैं तो नदी में भी किस्मत आजमा सकते हैं। नदी में बहकर आने वाले कंकड़ पत्थर भी आपकी रातों-रात किस्मत बदल सकते हैं। आप पल भर में रोडपति से करोड़पति बन सकते हैं। करोड़पति बनाने वाली यह नदी बुंदेलखंड के पन्ना जिले में है, जो अजयगढ़ तहसील से निकलने वाली रुन्झ नदी है। कहा जाता है कि बरसात के मौसम में यह नदी सैलाब के साथ हीरे बहाकर भी लाती है। इसलिए हर साल नदी के किनारों पर बरसात के मौसम में लोग कंकड़ पत्थर में हीरा तलाशते हुए नजर आते हैं।

आखिरी बार 2 साल पहले एक किसान को यहां पर 72 कैरेट का हीरा मिला था। जिसकी खबर फैलने पर हजारों की संख्या में लोग हीरा तलाशने के लिए पहुंच गए थे, लेकिन यह इलाका वन विभाग की रेंज में आता है इसलिए सभी को वहां से हटा दिया गया था और नदी के किनारे आने पर प्रतिबंधित कर दिया था। इसके बाद भी लोग चोरी छुपे नदी के किनारे पहुंच ही जाते हैं।

यह हीरा जितना बेशकीमती होता है

उसको पाना उतना ही कठिन होता है। नदी के किनारों पर लोग हीरे की तलाश में फावड़ा, संबल, तसला और जालीदार टोकरी लेकर पहुंचते हैं। नदी के बहाव वाले हिस्सों के अलावा दोनों किनारों पर इसकी तलाश करते हैं। नदी की ओर से बहाकर लाई गई मिट्टी को टोकरी में भरकर बाहर निकालते हैं और उसमें से हीरा ढूंढते हैं। इसके अलावा बहाव वाले हिस्से में जालीदार टोकरी की मदद से तलाशी की जाती है। किनारों के पत्थरों को खोदकर भी हीरा तलाशते हैं। अपने-अपने हिस्से की मेहनत सभी करते हैं लेकिन जो सबसे ज्यादा किस्मत वाला होता है उसी के हाथ खजाना लगता है।

इस नदी पर रुन्झ डैम बनाया जा रहा है, जिसका काम तेज गति से चल रहा है। लगभग 60 फीसदी काम पूरा भी हो चुका है। जल्द ही डैम का निर्माण पूरा हो जाएगा। डैम बन जाने के बाद नदी का यह इलाका सैकड़ों फीट गहरे पानी में डूब जाएगा। फिर यहां लोगों का आना भी बंद हो जाएगा। बता दें कि बुंदेलखंड के पन्ना में करीब 300 साल पुराना हीरे निकालने का इतिहास है। महाराज छत्रसाल के समय से स्वामी प्राणनाथ के आशीर्वाद से यहां पर हीरे निकालने की शुरुआत मानी जाती है। यहां जगह-जगह हीरे की खदान भी है। लोग लीज पर लेकर अपनी किस्मत आजमाते हैं। कई लोग यहां पर रातों-रात लखपति करोड़पति बन चुके हैं। इस नदी पर रुन्झ डैम बनाया जा रहा है, जिसका काम तेज गति से चल रहा है। लगभग 60 फीसदी काम पूरा भी हो चुका है। जल्द ही डैम का निर्माण पूरा हो जाएगा। डैम बन जाने के बाद नदी का यह इलाका सैकड़ों फीट गहरे पानी में डूब जाएगा। फिर यहां लोगों का आना भी बंद हो जाएगा।

हिमाचल में ड्रोन उड़ान को लेकर सियासत

» नेता विपक्ष जयराम ठाकुर को सनसनी फैलाने की आदत : सुक्खू

» बोले- पुलिस नहीं कर रही जासूसी, ईडी-सीबीआई की भूमिका को लेकर करेंगे जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि हिमाचल पुलिस किसी भी विधायक की जासूसी नहीं करवा रही है। नेता विपक्ष जयराम ठाकुर को सनसनी फैलाने की आदत पड़ गई है। प्रदेश सरकार नेता प्रतिपक्ष की ड्रोन से जासूसी नहीं करा रही है। यह जांच का विषय है कि कहीं ईडी या सीबीआई तो नहीं करा रही। नेता प्रतिपक्ष के घर के ऊपर ड्रोन उड़ना व खिड़कियों के पास आना गंभीर विषय है। इसकी जांच कराएंगे। ईडी और सीबीआई को पत्र भी लिखेंगे। पुलिस का कोई अधिकारी इसमें सम्मिलित नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को आपा नहीं खोना चाहिये। वह संयम रखें। शुक्रवार को विधानसभा की कार्यवाही शुरू होते ही नेता विपक्ष ने

भाजपा व कांग्रेस आमने-सामने

जीआई मैपिंग सर्वे के लिए पूरे शिमला में उड़ रहा ड्रोन : सुक्खू

प्वाइंट ऑफ आर्डर के तहत मामला उठाते हुए कहा कि उनके सरकारी आवास की ड्रोन से निगरानी की जा रही है। शुक्रवार सुबह चार बार उनके घर पर ड्रोन घूमता रहा और दरवाजे तथा खिड़कियों तक पहुंच गया। जयराम ने कहा कि जब मालूम किया तो पता चला कि यह एसपी के आवास से संचालित हो रहा था। उन्होंने इस पर एतराज जताते हुए गंभीर मामला बताया। उन्होंने जानना चाहा कि यह कौन सा तरीका है कि किसी के घर की खिड़की तक निगरानी हो और कौन वहां आ जा रहा है, किसकी कार खड़ी है, यह पता लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पहले भी उनके घर के पास सादी वर्दी में लोग खड़े कर निगरानी रखी जा रही थी। उन्होंने कहा कि फोन भी टैप हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारी अपनी सीमाएं लांघ रहे हैं और यह सही नहीं है। यह व्यक्ति के परिवार की निजता का हनन है और इसे सहन नहीं किया जा सकता। विधानसभा परिसर में पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर के बयान पर कहा- हमने कोई दिशा-निर्देश नहीं दिए हैं, जो ड्रोन उड़ाया जा रहा है वह जीआई मैपिंग सर्वे के लिए पूरे शिमला में उड़ रहा है, हम उनकी जासूसी क्यों करेंगे, वे पूर्व मुख्यमंत्री हैं। फिर भी अगर उन्होंने ये कहा है तो मैं पता लगाऊंगा। लेकिन हर छोटे मुद्दे पर सनसनी फैलाना और सदन से वाकआउट करना ठीक नहीं है। भाजपा को मुद्दों पर बात करनी चाहिए, वे मुद्दों पर बात नहीं करते और वाकआउट करते हैं।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा- मामले को देखेंगे

विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा कि वह इस मामले को देखेंगे। प्रश्नकाल समाप्त होने के बाद मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने प्वाइंट आफ आर्डर के तहत इसका जवाब दिया। उन्होंने कहा कि इस संबंध में वह केंद्रीय एजेंसियों से पत्र लिखकर पूछेंगे और जानकारी लेंगे और इसकी भी जांच करवाएंगे। मुख्यमंत्री के इस बयान पर विपक्ष ने हंगामा करना शुरू कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार जासूसी पर विश्वास नहीं रखती।

यह निजता के अधिकार का भी हनन : जयराम

विधानसभा परिसर में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि आज जब वह विधानसभा आ रहे थे तब भी ड्रोन आंगन में घूम रहा था। गाड़ियां कहां खड़ी हैं, कौन आया उनका भी ड्रोन से सर्वे हो रहा है। कानून व्यस्था की धज्जियां उड़ रही हैं, उस पर सरकार का ध्यान नहीं है लेकिन विपक्ष के लोगों के फोन सर्विलेंस पर हैं और ड्रोन से निगरानी रखी जा रही है। यह निजता के अधिकार का भी हनन है और यह बहुत ओछी हरकत है। सीएम को इसका जवाब देना चाहिए। कहा कि ये घटना सिर्फ आज की नहीं है, हमने पहले भी कई बार इसे (ड्रोन) देखा है।

बिहार की जनता का हक किसी को छीनने नहीं देंगे : तेजस्वी यादव

» एक सितंबर को लालू की पार्टी करेगी आंदोलन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) एक सितंबर से आंदोलन करेगी। इस एलान नेता प्रतिपक्ष व पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने किया। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता का हक किसी को छीनने नहीं दे सकते हैं। इसलिए हमारी पार्टी 2023 में हुए जाति सर्वेक्षण के निष्कर्षों को संविधान की अनुसूची 9 के तहत शामिल करने की मांग को लेकर एक सितंबर को आंदोलन करेगी।

इतना ही नहीं अगर नीतीश सरकार ने 65 प्रतिशत आरक्षण अपना पक्ष सही से नहीं रखा तो राजद सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगा और अपनी बात रखेगा। हम कोर्ट जाकर अपना पक्ष अच्छे से रखेंगे। इसलिए

हमने एक सितंबर को बिहार में आंदोलन की घोषणा की है। बता दें कि जून में पटना हाईकोर्ट ने पदों और सेवाओं में रिक्तियों के लिए बिहार आरक्षण (संशोधन) अधिनियम, 2023 और बिहार (शैक्षिक संस्थानों में प्रवेश में) आरक्षण (संशोधन) अधिनियम, 2023 को रद्द कर दिया था। इसके बाद बिहार सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। मामला कोर्ट में लंबित है।

अपनी ही सिफारिश भूल गए सीएम: अजय

» पूर्व नेता प्रतिपक्ष ने अतिथि शिक्षकों से किया वादा दिलाया याद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं विधायक अजय सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से उनके द्वारा पूर्व में की गई सिफारिशों के अनुरूप प्रदेश के अतिथि शिक्षकों की मांगों को तत्काल पूरा करने अपील की है। उन्होंने कहा कि एक साल पहले चुनाव पूर्व तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने भी पंचायत बुलाकर अतिथि शिक्षकों की मांगों को पूरा करने की घोषणा की थी।

वर्तमान मुख्यमंत्री एवं तत्कालीन विधायक डॉ. मोहन यादव ने 15 मार्च, 2018 को शिवराज सिंह को पत्र लिखकर कहा था कि प्रदेश में कार्यरत अतिथि शिक्षक पूर्ण निष्ठा से अध्यापन एवं अन्य

अनुषांगिक कार्य कर रहे हैं। इनकी लम्बी सेवा अवधि को देखते हुए इन्हें संविदा शिक्षक बनाये जाने की कार्यवाही अत्यंत अपेक्षित है। पत्र के साथ तत्संबंधी ज्ञापन प्रेषित करके अतिथि शिक्षकों के हितों को दृष्टिगत रखते हुये इनकी मांगो के निराकरण हेतु यथावश्यक निर्देश प्रसारित करने का अनुरोध किया था। उधर भाजपा अध्यक्ष बीडी शर्मा ने कहा कि मध्यप्रदेश में भाजपा सरकार ने कड़े निर्णय और अथक परिश्रम से कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। यह कांग्रेस को रास नहीं आ रहा और इसी कारण वह नकारात्मक और छल कपट की राजनीति कर रही है।

मांगों को पूरा करने का शिवराज ने किया था वादा

अजय सिंह ने कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विधानसभा चुनाव से पहले सभी संगठनों को अलग-अलग मुख्यमंत्री निवास भोपाल में बुलाकर उनकी मांगों को पूरा करने का वादा किया था। इसी कड़ी में प्रदेश भर के स्कूलों में पढ़ाने वाले अतिथि शिक्षकों की महापंचायत बुलाई गई थी और इस दौरान उन्होंने कई घोषणाएं की थी। घोषणा को 2 सितंबर को एक साल पूरे हो रहे हैं लेकिन अतिथि शिक्षकों के लिए की गई घोषणाएं अभी तक अधूरी हैं। अब जबकि डा. मोहन यादव स्वयं ही मुख्यमंत्री हैं तब उनसे अतिथि शिक्षकों की समस्याओं के समाधान की अपेक्षा स्वाभाविक है। मुख्यमंत्री से अपील है कि अतिथि शिक्षकों की मांगों को पूरा करने के लिए तत्काल निर्णय लें।

अब द्रविड़ के बेटे समित का बोलेगा बल्ला

» ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंडर-19 टीम इंडिया में हुई एंट्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ के बेटे समित द्रविड़ को ऑस्ट्रेलिया 19 के खिलाफ आगामी बहु-प्रारूप घरेलू श्रृंखला के लिए भारत की 19 टीम में नामित किया गया है। यह पहली बार है जब समित को भारत की 19 टीम में नामित किया गया है। मोहम्मद अम्मान को 50 ओवर की टीम का कप्तान बनाया गया है। अम्मान मध्यक्रम के बल्लेबाज हैं और उत्तर प्रदेश (यूपी) के लिए घरेलू क्रिकेट खेलते हैं।

चार दिवसीय श्रृंखला के लिए सोहम पटवर्धन को कप्तान घोषित किया गया है। पटवर्धन घरेलू क्षेत्र में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हैं। विशेष रूप से, समित वर्तमान में महाराजा केएससीए टी20 ट्रॉफी में मैसूर वारियर्स के लिए खेल रहे हैं और यह सीनियर स्तर पर उनका पहला टूर्नामेंट है।

अवनी लेखरा ने जीता पेरिस पैरालंपिक में पहला गोल्ड

मनीष को 10 मीटर एयर पिस्टल में सिल्वर और मोना ने 10 मीटर राइफल में जीता ब्रॉन्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पेरिस। पेरिस पैरालंपिक 2024 के दूसरे दिन भारत ने कुल 4 मेडल जीते। जहां अवनी लेखरा और मोना अग्रवाल ने महिला स्टैंडिंग 10 मीटर राइफल प्रतियोगिता में क्रमशः गोल्ड और ब्रॉन्ज मेडल जीता। मनीष अग्रवाल ने 10 मीटर एयर पिस्टल में सिल्वर मेडल जीता है। वहीं, प्रीति पाल ने महिला 100 मीटर रेस में ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया है।

भारत के पैरा पिस्टल शूटर मनीष नरवाल ने सिल्वर मेडल जीत लिया है। मनीष पुरषों की 10 मीटर एयर पिस्टल SHv फाइनल इवेंट में पहले स्थान पर

रहे। इससे पहले मनीष ने टोक्यो पैरालंपिक में गोल्ड मेडल अपने नाम किया था। इस तरह अब वह लगातार 2 पैरालंपिक में मेडल जीतने वाले चुनिंदा भारतीय पैरा एथलीट के क्लब में शुमार हो गए हैं।

प्रीति पाल ने ट्रैक में जीता सिल्वर

प्रीति ने महिलाओं की 100 मीटर स्पर्धा में 14.21 सेकंड के पर्सनल बेस्ट समय के साथ मेडल अपने नाम किया। चीन की झोउ जिया गोल्ड जीतने में कामयाब रही जबकि उन्हीं की हमवतन गुओ कियानकियान ने सिल्वर मेडल पर कब्जा जमाया। झोउ ने 13.58 सेकंड का समय निकाला। वहीं गुओ ने 13.74 सेकेंड का समय लिया। प्रीति का ब्रॉन्ज मेडल पेरिस पैरालंपिक की पैरा एथलेटिक्स में भारत का पहला मेडल है।

जुमा ब्रेक को लेकर एनडीए में उभरे मतभेद

असम सरकार के फैसले पर जदयू ने उठाए सवाल, किसी को भी धार्मिक आस्थाओं पर हमला करने का अधिकार नहीं : जेडीयू

» जेडीयू नेता बोले- लोगों को गरीबी से ऊपर उठाने पर ध्यान दें असम के सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। असम सरकार के विधानसभा में जुम्मा ब्रेक के फैसले पर सियासी गलियारें में कोहराम मच गया है। विपक्ष तो एनडीए सरकार को घेर ही रहा है। उसके अपने सहयोगी भी इस पर उसे आंखे दिखा रहे है। जदयू, लोजपा, टीडीपी ने भी इसपर तीखी प्रतिक्रिया दी है। जदयू के तरफ से बयान के बाद चर्चा ये होने लगी है कि लगता एनडीए में ही फूट पड़ती दिख रही है।

दरअसल, जेडीयू के नेता नीरज कुमार ने शनिवार को असम सरकार द्वारा राज्य विधानसभा में जुम्मा की नमाज

के लिए 2 घंटे के ब्रेक की प्रथा को समाप्त करने के फैसले का विरोध कर दिया है। नीरज कुमार ने फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि किसी को भी धार्मिक आस्थाओं पर हमला करने का अधिकार नहीं है। नीरज ने एएनआई से कहा कि बेहतर होता अगर असम के सीएम लोगों को गरीबी से ऊपर उठाने पर अधिक ध्यान देते। इससे पहले वक्फ संशोधन बिल व जातिगत जनगणना को लेकर भी जदयू व लोजपा भाजपा को आइना दिखा चुकी है।

यह सर्वसम्मति से लिया गया निर्णय है : हिमंत बिस्वा सरमा

असम विधानसभा में नमाज के लिए दी जाने वाली दो घंटे की ब्रेक को समाप्त करने के फैसले पर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को कहा कि हिंदू और मुस्लिम विधायकों ने एक साथ बैठकर सर्वसम्मति से ये निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि हमारी विधानसभा के हिंदू और मुस्लिमों ने माला नियम समिति में बैठकर सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि दो घंटे का ब्रेक सही नहीं है, हमें इस अवधि के दौरान भी काम करना चाहिए। यह प्रथा 1937 में शुरू हुई थी और कल से इसे बंद कर दिया गया है। यह सर्वसम्मति से लिया गया निर्णय है, यह सिर्फ मेरा फैसला नहीं है।असम विधानसभा की उत्पादकता को बढ़ाने के उद्देश्य से राज्य के औपनिवेशिक बोझ को हटाने के लिए, प्रति शुक्रवार सदन को जुम्मे के लिए 2 घंटे तक स्थगित करने के नियम को रद्द किया गया। यह प्रथा 1937 में मुस्लिम लीग के सैयद सादुल्लाह ने शुरू की थी।

भाजपा मुसलमानों को हर तरह से परेशान करना चाहती है : तेजस्वी

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने सीएम सरमा पर निशाना साधाते हुए कहा था कि असम के मुख्यमंत्री सस्ती लोकप्रियता चाहते हैं और भाजपा किसी न किसी तरह से मुसलमानों को परेशान करना चाहती है।

असम के सीएम ने समाज में ज़हर फैलाया : एसटी हसन

समाजवादी पार्टी के नेता एसटी हसन ने कहा,हिमंत बिस्वा सरमा ने समाज में ज़हर फैलाया है। उनकी सरकार मुसलमानों के खिलाफहै।

तनखाइया होने पर जल्द दूंगा स्पष्टीकरण : सुखवीर सिंह

» बोले- अकाल तख्त साहिब द्वारा जारी आदेश स्वीकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। श्री अकाल तख्त साहिब की तरफ से तनखाइया घोषित किए जाने पर पूर्व उपमुख्यमंत्री और शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने एक्स पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने ट्वीट किया, दास अपना सिर झुकाता है और मीरी पीरी के सर्वोच्च तीर्थस्थल श्री अकाल तख्त साहिब द्वारा जारी आदेश को स्वीकार करता है। आदेश के अनुसार, मैं जल्द ही श्री अकाल तख्त साहिब के सामने पेश होकर माफी मांगूंगा।

श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह ने कहा कि पांच सिंह साहिबान ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि सुखबीर सिंह बादल ने पंजाब सरकार में उपमुख्यमंत्री व शिअद के अध्यक्ष रहते हुए कुछ ऐसे फैसले लिए, जिससे पंथ की छवि को काफी नुकसान पहुंचा। इससे शिरोमणि अकाली दल के साथ-साथ सिख हितों को भी भारी नुकसान हुआ, इसलिए

सरकार में रहते हुए सुखबीर सिंह बादल और उनके सहयोगी मंत्री भी इस सारे मामले में बराबर के दोषी हैं। उन्हें भी 15 दिनों के भीतर अपना स्पष्टीकरण देना होगा। जब तक सुखबीर सिंह बादल अपने सहयोगियों के साथ एक विनम्र सिख की तरह अकाल तख्त साहिब पर गुरु ग्रंथ साहिब की उपस्थिति में सिख संगत और पांच सिंह साहिबान के सामने अपनी गलतियों को स्वीकार करके धार्मिक सजा पूरी नहीं करते, तब तक वह तनखाइया ही रहेंगे। धार्मिक सजा पूरी होने तक वह किसी राजनीतिक व सामाजिक गतिविधियों में हिस्सा नहीं ले सकेंगे।

उमर अब्दुल्ला पर भड़कीं महबूबा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने जमात-ए-इस्लामी (जेईआई) पर प्रतिबंध हटाने का आह्वान किया ताकि वह जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों में भाग ले सके। वहीं उन्होंने नैशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला की उस टिप्पणी को अफसोसजनक बताया, जिसमें उन्होंने कहा था कि जमात-ए-इस्लामी कभी चुनावों को हराम (निषिद्ध) मानती थी, लेकिन अब हलाल (मान्य) मानती है।

श्रीनगर में पत्रकारों से बात करते हुए, महबूबा ने कहा कि 1987 में, जब जेईआई और अन्य समूहों ने चुनावों में भाग लेने की कोशिश की, तो एनसी ने बड़े पैमाने पर अनियमितताएं कीं क्योंकि वे नहीं चाहते थे कि कोई तीसरी ताकत उभरे। उनके कारण ही आखिर में जेईआई और अन्य समूहों ने चुनाव का बहिष्कार किया। पीडीपी प्रमुख ने कहा कि यह बयान खेदजनक है और यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि नेशनल कॉन्फ्रेंस जीतते समय चुनाव को हलाल और हारते समय हराम कहती है।

केदारनाथ में एमआई-17 से हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त

» आसमान से लहराता हुआ जमीन पर गिरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड के केदारनाथ धाम में लैंडिंग के दौरान क्षतिग्रस्त हुआ हेलीकॉप्टर शनिवार को मंदाकिनी नदी के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हेलीकॉप्टर को एमआई-17 हेलीकॉप्टर से मरम्मत के लिए गौचर हवाई पट्टी पर ले जाया जा रहा था, लेकिन वह रिकवरी एयरक्राफ्ट से फिसलकर थारू कैंप के पास गिर गया। किसी के घायल होने या हताहत होने की खबर नहीं है, और यह घटना कैमरे में कैद हो गई।

एक अधिकारी के हवाले से बताया गया आज, राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (एसडीआरएफ) बचाव दल को लिनचोली में पुलिस के माध्यम से सूचना मिली कि एक निजी कंपनी का खराब हेलीकॉप्टर, जिसे श्री केदारनाथ हेलीपैड से दूसरे हेलीकॉप्टर द्वारा गोचर हेलीपैड पर ले

जाया जा रहा था, थारू कैंप के पास लिनचोली में नदी में गिर गया। एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंच गई है और राहत कार्य जारी है। इस घटना में किसी की जान नहीं गई है। निजी कंपनी द्वारा संचालित हेलीकॉप्टर ने 24 मई, 2024 को तकनीकी खराबी के कारण आपातकालीन लैंडिंग की थी। जिला पर्यटन अधिकारी राहुल चौबे ने बताया कि क्षतिग्रस्त हेलीकॉप्टर के वजन और प्रतिकूल हवा की स्थिति के कारण एमआई-17 हेलीकॉप्टर का संतुलन बिगड़ने लगा, जिसके कारण हेलीकॉप्टर को थारू कैंप के पास उतार दिया गया।

यूपी में भी कोलकाता जैसी दरिंदगी का प्रयास

भाजपा राज में बढ़ रहे महिलाओं पर अत्याचार, जालौन में मेडिकल कॉलेज में महिला डॉक्टर से हैवानियत की कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जालौन। बंगाल में प्रशिक्षु डॉक्टर की रेप व हत्या पर आंदोलित भाजपा के शासित राज्य यूपी में भी इसी तरह का मामला सामने आया है। कोलकाता के मेडिकल कॉलेज में महिला चिकित्सक के साथ दरिंदगी का मामला अभी शांत नहीं हुआ है कि इसी बीच यहां के मेडिकल कॉलेज के आवासीय क्षेत्र में महिला डॉक्टर से अभद्रता की गई।

आरोपी लिपिक को निलंबित कर दिया गया है। पीड़ित डॉक्टर ने पूरी घटना पर आगरा में अपने बयान दर्ज कराए हैं। मेडिकल कॉलेज के कैंपस के अंदर 19 अगस्त को एक महिला डॉक्टर के कमरे में मेडिकल कॉलेज में तैनात लिपिक ललित कुमार नशे की हालत में हाथ में

राखी लेकर पहुंचा और उनका दरवाजा खटखटाया। महिला डॉक्टर का आरोप है कि जैसे ही उन्होंने दरवाजा खोला तो आरोपी लिपिक ने उनका हाथ पकड़ कर खींच लिया। उन्होंने किसी तरह हाथ छुड़ाकर अन्य लोगों को इसकी जानकारी दी और पुलिस से इसकी शिकायत की। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया था। मामला तूल पकड़ता देख मेडिकल कालेज प्रबंधन ने आरोपी लिपिक को निलंबित कर दिया। जबकि घटना के बाद से ही महिला डॉक्टर अपने घर आगरा में है। चौकी प्रभारी महिला डॉक्टर का बयान दर्ज करवाने के लिए आगरा गए हैं। कोतवाल अजय ब्रह्म तिवारी का कहना है कि मामले में रिपोर्ट दर्जकर ली गई है। एसपी डॉ. दुर्गेश कुमार ने बताया कि महिला डॉक्टर द्वारा शिकायत की गई थी, जिस पर मेडिकल कॉलेज प्रबंधन द्वारा आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है।

प्राचार्य की चुप्पी, लिपिक का निलंबन खड़े कर रहे सवाल

मेडिकल कालेज में जूनियर डॉक्टर के साथ हुई अभद्रता की घटना कालेज प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल रही है। आनन फानन में बाबू का निलंबन कर पूरे मामले में पर्दा डालने की कोशिश की गई। लेकिन मामला उजागर होने पर मेडिकल प्रशासन की खूब किरकिरी हो रही है। मामला संज्ञान में आगे पर मेडिकल कालेज प्रशासन पूरे मामले में पर्दा डालने की कोशिश करता रहा। सूत्रों की माने तो महिला डॉक्टर से तहरीर न देने की भी बात कही गई। हालांकि मामला जैसे ही पुलिस के संज्ञान में आया तो महिला डॉक्टर से तहरीर देने को कहा गया।

मेडिकल कॉलेज की सुरक्षा पर उठते रहे हैं सवाल

मेडिकल कॉलेज की सुरक्षा को लेकर इससे पहले भी सवाल उठते रहे है। कई एकड में फैले इस कॉलेज में महिला छात्रावास के साथ ही नर्सिंग कॉलेज भी स्थापित है। जिसमें सैकडों की तादात में महिला डॉक्टर और नर्सिंग के छात्र रहते हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।